





五







लक्ष  
श्रुति







५५  
६



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



7

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 विष्णुं नमस्कृत्य ॥ २ ॥  
 सुचरे ॥ ३ ॥  
 सुचरे ॥ ४ ॥  
 सुचरे ॥ ५ ॥  
 सुचरे ॥ ६ ॥  
 सुचरे ॥ ७ ॥  
 सुचरे ॥ ८ ॥  
 सुचरे ॥ ९ ॥  
 सुचरे ॥ १० ॥  
 सुचरे ॥ ११ ॥  
 सुचरे ॥ १२ ॥  
 सुचरे ॥ १३ ॥  
 सुचरे ॥ १४ ॥  
 सुचरे ॥ १५ ॥  
 सुचरे ॥ १६ ॥  
 सुचरे ॥ १७ ॥  
 सुचरे ॥ १८ ॥  
 सुचरे ॥ १९ ॥  
 सुचरे ॥ २० ॥  
 सुचरे ॥ २१ ॥  
 सुचरे ॥ २२ ॥  
 सुचरे ॥ २३ ॥  
 सुचरे ॥ २४ ॥  
 सुचरे ॥ २५ ॥  
 सुचरे ॥ २६ ॥  
 सुचरे ॥ २७ ॥  
 सुचरे ॥ २८ ॥  
 सुचरे ॥ २९ ॥  
 सुचरे ॥ ३० ॥  
 सुचरे ॥ ३१ ॥  
 सुचरे ॥ ३२ ॥  
 सुचरे ॥ ३३ ॥  
 सुचरे ॥ ३४ ॥  
 सुचरे ॥ ३५ ॥  
 सुचरे ॥ ३६ ॥  
 सुचरे ॥ ३७ ॥  
 सुचरे ॥ ३८ ॥  
 सुचरे ॥ ३९ ॥  
 सुचरे ॥ ४० ॥  
 सुचरे ॥ ४१ ॥  
 सुचरे ॥ ४२ ॥  
 सुचरे ॥ ४३ ॥  
 सुचरे ॥ ४४ ॥  
 सुचरे ॥ ४५ ॥  
 सुचरे ॥ ४६ ॥  
 सुचरे ॥ ४७ ॥  
 सुचरे ॥ ४८ ॥  
 सुचरे ॥ ४९ ॥  
 सुचरे ॥ ५० ॥  
 सुचरे ॥ ५१ ॥  
 सुचरे ॥ ५२ ॥  
 सुचरे ॥ ५३ ॥  
 सुचरे ॥ ५४ ॥  
 सुचरे ॥ ५५ ॥  
 सुचरे ॥ ५६ ॥  
 सुचरे ॥ ५७ ॥  
 सुचरे ॥ ५८ ॥  
 सुचरे ॥ ५९ ॥  
 सुचरे ॥ ६० ॥  
 सुचरे ॥ ६१ ॥  
 सुचरे ॥ ६२ ॥  
 सुचरे ॥ ६३ ॥  
 सुचरे ॥ ६४ ॥  
 सुचरे ॥ ६५ ॥  
 सुचरे ॥ ६६ ॥  
 सुचरे ॥ ६७ ॥  
 सुचरे ॥ ६८ ॥  
 सुचरे ॥ ६९ ॥  
 सुचरे ॥ ७० ॥  
 सुचरे ॥ ७१ ॥  
 सुचरे ॥ ७२ ॥  
 सुचरे ॥ ७३ ॥  
 सुचरे ॥ ७४ ॥  
 सुचरे ॥ ७५ ॥  
 सुचरे ॥ ७६ ॥  
 सुचरे ॥ ७७ ॥  
 सुचरे ॥ ७८ ॥  
 सुचरे ॥ ७९ ॥  
 सुचरे ॥ ८० ॥  
 सुचरे ॥ ८१ ॥  
 सुचरे ॥ ८२ ॥  
 सुचरे ॥ ८३ ॥  
 सुचरे ॥ ८४ ॥  
 सुचरे ॥ ८५ ॥  
 सुचरे ॥ ८६ ॥  
 सुचरे ॥ ८७ ॥  
 सुचरे ॥ ८८ ॥  
 सुचरे ॥ ८९ ॥  
 सुचरे ॥ ९० ॥  
 सुचरे ॥ ९१ ॥  
 सुचरे ॥ ९२ ॥  
 सुचरे ॥ ९३ ॥  
 सुचरे ॥ ९४ ॥  
 सुचरे ॥ ९५ ॥  
 सुचरे ॥ ९६ ॥  
 सुचरे ॥ ९७ ॥  
 सुचरे ॥ ९८ ॥  
 सुचरे ॥ ९९ ॥  
 सुचरे ॥ १०० ॥

व

स  
८

८



४



[illegible]

दस  
दले

4



व न



लेखक

दस  
६



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



७



4



३



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



३७



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



3

一



Handwritten title in red ink at the top of the page.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 25 lines.

ल



90



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



二



卅



7







॥ ॐ ॥



३.३



[illegible]



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



五



इ



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



दृष्टिवावउदधकभभा उद्धृयाधुपुरयसुकटः सुते  
 भउसुभउठहुउलः लग्नमपरापिपडीपगभा नपपुउ  
 सुदययंयपपुभभा पापेकुमाकेस ..... मन्त्रमन्त्र  
 येः भउतिगसभादिसेउ पदलग्नेभिंदवधालिकटः भुः  
 प्रप्रलग्नमववामसाहुउ मलप्रसभउतिः पमुकः भुः  
 दृपैः भउठेसदिउदिउस भुदुभिउगेगुगडियभा कोप्रभुः  
 भियंमदिमासुवहुभा भिदुभिउगेगुगडियभा कोप्रभुः  
 वहुं वदोदगंका भउप्रसंभिदुगयेः भिउएयेगठभुवं  
 इभिभउधुभभिउ प्रउप्रगेहिदगडरलाविउपधं रविद  
 इवलाभुभाउभा दिहुउवंगगडेः समाहुभादेय  
 मद्दगदइपुलैः पगेभिभउप्रभवपुपपुपपुपपु  
 सुउवंगभुः प्ररुहयेगुभभभुयेवा रुरेवगवुधुभा  
 मिभंभुः सउप्रभुभुयउप्रसवेपुधुवमनेप्रठभउतिः  
 भुग प्ररुहणीवेरुदयाइसइनपठभुदयेपगडेः  
 भुगमिगेः भुसुभिउगेगुगठवलिउरुं प्ररुहवेदुरिपरे  
 रुपेयभः लग्नगिरावेनभउतिपरयमीकुमालंउरुडे  
 प्रलः कदुभिउः पापदुमाविदीरः भभउतिप्रभुलं  
 प्रउदग भुभाभिणीवेरुभिउडेउदिउप्ररुहवेदुभिग  
 एणीविरः भगः लग्नवलेलग्नपडीकुमालरुदुमभउसपु  
 उमप्रलेदुवः ॥ इतिउं प्रीतिभ ॥ प्रवगठप्रवे ॥ लग्नदिदे  
 नीसुरुभंयउभउउमभउइ किलगठभभुः  
 प्रगमिभंभुमरिसाकोरगदेकुमाले  
 उयेभिगठगः प्रगमिगेलग्नपपुपराणे  
 गदमुदगठगः भुः भुग मद्दपाहु  
 रविधुसंभुकटुववेदुगठगडरायाः ।

॥ ०३ ॥  
 ॥ ०३ ॥

६	६	६
६	६	६
६	६	६
६	६	६
६	६	६
६	६	६
६	६	६
६	६	६



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



37

दिग्देवगैः विभिन्नः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 वलिः॥ **ॐ तिष्ठन्नायकः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः**

**ॐ** लघुभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः लघुभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 दिग्देवगैः विभिन्नः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 गेदल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 माग्देवकुवल्कलभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 विलग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 वल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 वल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः

**ॐ** लघुभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः लघुभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 दिग्देवगैः विभिन्नः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 गेदल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 माग्देवकुवल्कलभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 विलग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 वल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 वल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः

**ॐ** लघुभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः लघुभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 दिग्देवगैः विभिन्नः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 गेदल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 माग्देवकुवल्कलभुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 विलग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 वल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः  
 वल्लग्नपदोदितः भूधरः भुज्जैभद्रमन्त्रे सुकर्मभिः

ॐ  
 ॥ ०७ ॥  
 ॥



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



५  
॥ ३०  
॥



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



ॐ  
॥  
॥ ॐ ॥  
॥



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



三三三



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



者

३३

113311

११



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



ग

四

६



सिनीशुकुठेकु ॥ अमुठदृष्टियोगडा ॥ अवरलेगाभा  
 देमदलोपशुप्रिप्रसे ॥ अदरुगुंगरा ॥ अणिषेय  
 सीकुमालेकुठेउरुमुडा ॥ अगणभुंलिपिउमुल  
 हेविपदयात्रैवठवेउरुपिः ॥ अषयभैलोपेउरुअउर  
 प्राउमुनभभा निउलोपेनवेउरुप्रसे ॥ उगणिषेनविल  
 प्रपेनयसीकुमालेकुठेअरुमः ॥ प्राउअयभैपदिउ  
 अलोपअदृङ्कलकुदिभगेविलग्रपे ॥ ममाकुलग्रम  
 कलकुपानंकभुलयेगेकुठवीक्षितेस ॥ अमदरुमुभि  
 लिउअयभैलोपेगउमुनभभानिउमु ॥ प्रहुउरुमुठभ  
 अमुठमिउिप्रसे ॥ यमुकुमालेमुविप्रभापेः अरुमु  
 मंअः मुठपेसमवेडा ॥ लेकेउरुमेठलंडममुअपगद  
 अरुमुठेउरुम ॥ लोपगदीकरभापपुडीउिप्रसे ॥ लये  
 अरुमीउकरषकेमुक्षिनिजउेदुपडीभगद ॥ भानवरु  
 हुमुसगेविलग्रभीभैः आपक्षिउिगडेः मभेउि ॥ अषवउे  
 यंभउमिउवेउिप्रसे ॥ विलग्रनषेवनिमणिनषः मुठकु  
 मालेभमुठमकेकु ॥ महुउरुमुअपकिंवरुडीपापेये  
 मेपुमुठपिभउ ॥ लयेअरुवरुगडेअवरुगडेकुमालेइमु  
 ठेकुमाले केदृङ्कदिः कुकिलकिंवरुडीमिउठवेलग्रप  
 वक्षिणिम ॥ अपमुकुमालेअकएवएउद्विठविष्टदुमय  
 मवउ ॥ अमुउषेअदृकएभापमुमुपठवेविचदडी  
 वउदुडा ॥ अविपेनठयेविनमेठविष्टडिनवेउिप्रसे ॥ ल  
 येअरुकेदृगडेवलाविउमुठकुमालेमुठवीक्षितेउरु ॥ अभा



सुखं



मि



51

कौरेदिनीप्रदक्षि... मङ्गलुडेनिमाकाः उरुमुचमिः सुठ  
 भवभम्भेरेविपरयमत्रभजयुठवडा प्रचपाम  
 रेवडीदभुभदमिहृष्टिउं वसिमत्रंभजयभा भरुः  
 उदङ्गुडुडुमिउम्वहीधुं वसिं करिसभुभजयभा।  
 सविगमिदलभा॥ तुलालिगेभीनकुलीरकुभुभग  
 भुडेयाविलातासुमेधः रालङ्गकेसुविप्रजए  
 कंभगविसुकाएगुडुविभिमे प्रलालकु सुठरु  
 भुयउकेरुदिभांसावमिगङ्गु वसिः उरुडिउमीडक  
 रमिङ्गेलगसुमयाडिउरु सुठरुः भोभुएल  
 हेपगडभुडीयकेरुडिडीयमभिउरुपङ्गु वसिः प्रडु  
 उठवडीदमीधुंभवेः सुठेरभुठगेचिमपाडा भोभुसु  
 उरुसुठरु वसिः सुः पापभुसुठिठयायडरु उरुसु  
 सुठेरुमयभवसिः सुठेरुभवेः सुठगेसुठसुडा लयेयम  
 सुः मविठेभभदः वलेयउविरालकुभंभुः सुठिठभ  
 उशियभीडिपीठंउदः सुठिठ सुठोपमरासु सनेसग  
 सुठभडा सुभंभुः सुठेरु सुठेरु सुठवीलिउसु मरुः  
 प्रडुदङ्गु लिलेसभुदं प्रविभुभः पमराएलय उरु  
 मालाङ्गु ववभुभंभु सुठेरु लेपविभुभुनिलाभुभुडुः  
 पानीयमरु प्रवेरे सुठेरु सुठेरु सुठेरु सुठेरु सुठेरु  
 मडा पीठरुभुं परिभुभु पंभुभु इरु वंभुभु  
 कभुभा प्रचेडेरुमानरालेपरिठुभेरुभुनीवीधुवरे  
 सुठेरुभुभा दयाङ्गु कभुभुठवामविदुङ्गुहेनिदउरु  
 लकभुभुभुभा नेरुडयाभुठवामउरुभुभीरकभु



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



बलैः क्षीणैः लपेसोमीउकरेनीसोउमुरेलेलनियम  
 वरुपतिः मोष्टेगुदेलयणयकमैपापगदेरमुभितेमुध  
 भोगैः धरेल्लगेमीउकरेसलयपेलैठेठवेइचवलित्रियाम  
 भम॥ ~~ममममममम~~॥ भेधकवेसमिबुनेसुठमयुउत्रेयदि  
 कंभमलठंठयं फषिष्टभा अदेउउमगपठधुसमारुउउ  
 दइमचममुठेसदिउमदयभा यभाभभायाभसपेल्भा  
 भुंगमः सुठेइधुयउतसीधुः पापैः उभिंसुभाभेउठेभभय  
 भदयकपापयउठिउस॥ लपेठलकुनिरानधमसुभोष्टेद  
 कुकिउकेरुगउसुठसु मचभभयविलविलयकेदेधपा  
 पैः भकलंभदयभा धेसुसुठमिडुगदविलययावद्विनेभि  
 धुतिभोभुपेठः उडुलुभाभैभुकलंभभयं वलउगंवभुमउधु  
 दयः रुगेदिठः मडुगदविलययावद्विनेभिधुतिपापापेठः  
 उडुलुभाभैः भकलंभदयं वलउगंवभुमउधुदयः॥ भभग  
 उभाभैः पाउसभुप्रवालकसापातिः उलः भुडा भेद  
 सुकेभुत्रविमिडुवभुगुभाभुएनंभुठिकसुसुठः॥ भगव  
 वभुडिरुलत्रपलीदगिमिनीनंभुडिरुलः भुडा केरुल  
 कसुडिललेदभेधकगेधवगदापरभुगः॥ भवभुतिवसं  
 सुठसुठसुठना॥ रककुडुगमिठभुदलभवेसलयेसगः  
 सुठपेगेदुवीकिउस उडुइरेलगातिभोभुमलंउदः  
 पापाठिउगरुनरेठयंरुलभा भेधवेसैरुयउः पा  
 सेः केरुधपापेधुपडीउसले पापगदेरुधुयउमवसुउर  
 गरुदिः प्रियभत्रभुभा छेनेधधवेसैरुयउवनपतिः  
 धधरुईसुभेधुः धधुडैवापिकेनेसुठगगसोइधुयउ  
 वलकुः उभिंवसुभुडरुगाडिसुठभापेधुगिमभंभरु  
 रः रुगदिउवागिमिठपठयंकभभंभदयभा॥ भवरा



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



95



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



मन्त्रिः॥ अहं सचक्रं वमं उज्जयलं हं गुरुः प्रसुतिमिदं क  
 दभुमिदं पलपलकं नं मुहः अहं हं भगवे विमेषात् नि  
 निरुक्तं इह ममं सत्तं भं भुनक्तं पसुतिमिदं कृष्ण पाप  
 रिप्रेभमगे विमेषात् दत्ता मायमपलकं नभा ॐ ति  
 मीदं कृष्ण मपदना गय॥ मिदु विरमिडे वै पूत माभुम  
 उरं मेष्टयः॥ मधुभक्तम॥ अहं कृष्ण मिदं गुरु  
 भक्तमदृष्टं लीला पउयेदिमं भुः भेपेव पभुमिदं कृष्ण  
 गः प्राप्तादिपामिः परिवर्तुन पंभीतमाय॥ द्विडिवाय  
 वस्तुनरमिदं कृष्ण गुरु मपेधात् कपारमिदं भक्त  
 नभाहं सापापगं सत्तं सत्तं दभुः अहं उपायवलिक्  
 कृष्टिभुः कृष्टिभुः पारविवलिः अहं उलासकृष्ण  
 पारमिदं भेन गममेधा सातागमियः भुः गुरु सत्तं भगे  
 पसुभानवयारुभाभा देभक्तमिदं गुरु नं मिदुयेदुभु  
 शक्तिः गते मभलभुमदं भुमिदं गुरु मीदं भक्त  
 धात् नवं मकेदं गुरु देवतीपा दृष्टा वृष्टिः परिवर्तुन  
 अहं उमिदं कृष्ण गुरु अहं कृष्ण कृष्ण भपिभलमिदं  
 महुमं हं भिदं कृष्ण वै कृष्ण मिदं कृष्ण मिदं गुरु  
 सुदं दिभं गुरु सत्तं भक्तं भेपेव पभुमिदं कृष्ण  
 मने भिभक्तमभगेत्तां भक्तं कृष्ण गुरु मीदं सुदं  
 दृष्टिपलभुमिदं सत्तं गुरु नं गविठं भयेव मपक्षि॥ अहं  
 भक्तं भवेः ममादृष्टं भुमिदं गुरु मीदं गुरु विदुमिदं  
 कृष्ण गुरु अहं भुमिदं गुरु मीदं गुरु मीदं गुरु  
 वनिहं ममादृष्टं गुरु मीदं गुरु मीदं गुरु मीदं गुरु

३



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



司馬



दमिडष्टयभिडेभ्रदभडेगिँभा ॥ मनेः ॥ सुइकुमाले  
 मवठेकुमालेणीवेकुमालेदिभगोप्रकभभा अदकुमा  
 लेभनविमेषाङ्गीं विवाहमुठवकुमिडु ॥ ॐ डिमि  
 डु ॥ मसणलभनीं करभा ॥ सुमेरेजुनिडउंभनभ  
 सुदेगुलेः मकुलिं डंगलभुभु ॥ पापिङ्ग मसुठउंय  
 मपुंसेदिभां भलिलभुडकुडा मउपाउमकुडां मं  
 वनिउंमेवडकिडभा पापमङ्गुं ठंलभेदेदिवारि  
 डभा पवेरीडउकुकां कूपानंभगभंउषा मीउदद्विवि  
 दीनभंभभां गं केहंवेडवेड ॥ दिं सुडभदभ  
 हैः मउएहैः भिः ॐ डिमिप्रभां ॥ मषात्रभां कर  
 भां ॥ मउमसत्राणभुविभुगयाभवेणैः मसुलेनु  
 लिं डैठजैभुककभमभगोः युल्लेडकुमदिभमनेहै  
 ॐ डिनिमिडभा यवमद्यपमालीनीभट्टिभांभपउडः गेप  
 भभाधभंभुलभभापकिचउभकः सुं कभुंभुलविभु  
 मं दिं ॐ डिनिमिडभा भभगभेववडभभदभेभुभि  
 वर ॥ सुभाकं केहवाकभुडभभेमालिवडिलभां ॥  
 मवममेःभभां भुलभंभेनवामभुभभेभमभमकः  
 लभमेकभमंभभुपगिंभेचैः ॐ भुडे भचपाळभठगभुव  
 नेचैभुलेहडः परिणैः प्रचवभुंदिं ॐ डिमिप्रभादिमेड  
 पाउभुडभुभापंडलंभसंयेणयदिभमठउंभविभुग उ  
 ह्रदवनेनिडभुवेणपापिङ्गचैचिठलकिभुभुडा उं  
 ठभुडेभुनेमसुलाभुभेवठः ॥ भविं ॐ निविठलभेभ  
 मगं मङ्गुः ॥ लभेदिं ॐ डिभां भुलभंभेनभसंभयः ॥



30



८

भूमा लवभमिदं गमिडं दिसा भुंता गयं मुहुवने भाप  
 ठाऊ देव एके कष्ट विलाभ भइ निभु मा भुता ठिष्ठ  
 गेचिष्ठ मेनक विष्णु भाइ गमः कटु पोरुते विष्णु कवि  
 उमय इमते भविष्ठ ठाऊ मयः कयः कविष्ठ पविष्ठ  
 पडिलीया सुन गयः ॥ वडु कल यमु भवे वविष्ठ वग  
 वडय द्वा ने विठडि गेविष्ठ भडु रापने न भिष्ठे गयः  
 भेसु मिया भमेडः राय डि रागा डि विष्ठे ठाऊ पदः  
 रिया वदु मभिठ ठव ठी डि ठाऊ मां ठाऊ रो यभा विपि  
 लक लप सुठ्ठी ठी भेठ्ठी ठी मय सुठ्ठा डि ठाऊ मिठे ठीः  
 भिष्ठ गयः ॥ श्री भा नु मा य न पडी भु गि ठाऊ  
 वल ठाऊ विठे मय ठाऊ रा न गयः य न पि ला ग भ वि  
 मं डि रा प ठाऊ व नं ठाऊ य मा भु भ लं ग मि ठाऊ प वि  
 ठाऊ ॥ ३ डि मी ठाऊ म प ड ग य मि ठाऊ वि ग मि  
 ठाऊ ॥ उ वैष्ठ व मा भु पा ठाऊ मे ठाऊ यः ॥  
 भ मा भु ठाऊ वैष्ठ व मा भु मि डि ठाऊ मे भा भं व ड ठाऊ वै  
 सु डि म ड ठाऊ ठे भे य ठाऊ मि लि पि ठाऊ सु ठाऊ भु ले  
 ए क सु पा ठाऊ येः ॥

ॐ नमः



39



[illegible]



ॐ



2017



५५	३	७	०	७	७	५	१	१	५	७	०	००	०७
५५	७	०५	०	७	७	०	५	७	७	०	०	०	०
७	१७	७१	०	७	५	७	०	०	५	७	७	०	०
मृषएउकमु	७	०	५	०	७	०	५	७	०	०	०	०	०
मंलिष्ट॥	०	५	७	०	०	७	७	०	५	०	०	०	०

सुम्  
ठेम्  
ली  
स